

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, यशायाह, सत्र 3, ईसा 4 और 5 © 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

यह यशायाह की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. जॉन ओसवाल्ट हैं। यह सत्र संख्या तीन, यशायाह अध्याय चार और पांच है। खैर, मुझे लगता है कि समय आ गया है।

आप सभी का स्वागत है। खुशी है कि आप यहाँ हैं। आइए प्रार्थना से शुरुआत करें।

पिता, हम हर उस चीज़ के लिए आपको धन्यवाद देते हैं जो आपकी महिमा और आपकी अच्छाई की गवाही देती है। हमने इस प्यारे दिन का आनंद लिया, इसके लिए धन्यवाद। सूरज और ठंडी हवा के लिए धन्यवाद।

हरी घास और नीले आकाश के लिए धन्यवाद। हम भजनहार के बारे में सोचते हैं जब वह कहता है, कोई आवाज नहीं है, परन्तु उनकी आवाज सारे जगत में फैल गई है। धन्यवाद।

और हम आपके शब्दों के लिए भी आपको धन्यवाद देते हैं, जो हमें यह समझने में सक्षम बनाता है कि प्रकृति हमसे क्या कह रही है। आपका धन्यवाद कि आपने हमें आश्चर्यचकित होने के लिए अकेला नहीं छोड़ा। यशायाह के लिए धन्यवाद।

हम उस दिन का इंतजार कर रहे हैं जब हम उस व्यक्ति से मिलेंगे जिसका आप इतने नाटकीय और इतने शक्तिशाली तरीके से उपयोग करने में सक्षम थे। उसके लिए धन्यवाद। हममें से कोई भी कभी भी उस प्रकार के जूते में नहीं होगा, लेकिन भगवान उस स्थान पर हमारी मदद करें जहाँ आपने हममें से प्रत्येक को उतना ही वफादार रहने के लिए रखा है जितना वह अपनी जगह पर था।

आज रात जब हम आपके शब्दों का अध्ययन करेंगे तो हमारी सहायता करें। आइए हममें से प्रत्येक से बात करते हुए आपकी आवाज़ सुनें। अनुदान दें कि यह केवल एक बौद्धिक उत्तेजना न हो, बल्कि इसे हमारे दिलों में एक आंदोलन बनने दें।

आपके नाम पर, हम प्रार्थना करते हैं, आमीन। ठीक है, हम आज शाम अध्याय चार और पाँच को देख रहे हैं। अगले सप्ताह का अध्ययन अध्याय छह पर ही होगा।

मुझे आशा है कि आपने अध्ययन मार्गदर्शिका उठा ली होगी। यदि आपने नहीं देखा है तो वे हॉल में मेज़ पर हैं। और फिर याद रखें, दो सप्ताह बाद अध्याय सात और उसके बाद का काम शुरू करने से पहले हमारे पास एक ब्रेक है।

तो, अध्याय चार, श्लोक दो से छह, और अध्याय पांच, श्लोक एक से तीस। यदि आपने अपना होमवर्क कर लिया है, तो उन दो खंडों के बीच क्या संबंध है? चार, दो से छह, और पाँच, एक से तीस। आशीर्वाद और न्याय? चुने हुए लोगों के बारे में? हाँ।

तो, हमारे पास उस तरह के विरोधाभास का एक और उदाहरण है जो पिछली बार हमारे पास था जहां एक तरफ हमारे पास सकारात्मक आशा है और दूसरी तरफ, क्षमा करें, मेरा रंग यहां मिश्रित हो गया है, नकारात्मक निर्णय। और एक बार फिर हमारे पास अध्याय चार में, श्लोक दो से छह तक, सकारात्मक आशा है और इसके बाद नकारात्मक निर्णय आया। हमने अध्याय एक में यह देखा, हां, ठीक है, वही स्थिति जहां देश में क्या होने वाला है इसके बारे में सकारात्मक बयानों और वास्तव में स्थिति क्या है इसके बारे में नकारात्मक बयानों के बीच विरोधाभास चलता रहता है।

तो, हम एक ऐसा रिश्ता देखते हैं जिसे विनिमय कहा जा सकता है। यहीं पर आप ए से बी, ए से बी और ए से बी तक जाते हैं। इसलिए, आपके पास कंट्रास्ट है और कंट्रास्ट दोहराया जाता है। जैसा कि मैंने अपने पिछले दोनों सत्रों में कहा है, पिछले तीनों सत्रों में, हमने इस इज़राइल के बारे में बात की है, वह जो अब अस्तित्व में है और गहराई से और पूरी तरह से भ्रष्ट है, और वह इज़राइल, जो बनने जा रहा है।

ठीक है, आइए, उस परिचय के साथ, श्लोक दो से छह तक की ओर चलें। उस दिन यहोवा की शाखा सुन्दर और महिमामय होगी, और भूमि का फल इस्राएल के बचे हुएों का गौरव और सम्मान होगा। क्या किसी के पास नया अंतर्राष्ट्रीय संस्करण है? हाँ।

क्या शाखा वहां पूंजीकृत है? हाँ। ठीक है। मेरे पास यहां अंग्रेजी मानक संस्करण है और यह बड़े अक्षरों में नहीं है।

अब यह क्या मामला चल रहा है? यदि आप पृष्ठभूमि को देखें, तो यिर्मयाह 33, 15 और जकर्याह अध्याय छह श्लोक 12 और 13 में पहले कथन पर ध्यान दें, शाखा स्पष्ट रूप से मसीहा को संदर्भित करती है। आइए विशेष रूप से यिर्मयाह मार्ग को देखें। यिर्मयाह 33, अध्याय 30, 31, 32, और 33 यिर्मयाह का सकारात्मक भाग हैं।

बाकी सब कुछ वस्तुतः नकारात्मक है लेकिन ये केंद्रीय अध्याय सकारात्मक हैं। पद 14, देखो, यहोवा की यह वाणी है, ऐसे दिन आ रहे हैं जब मैं उन दिनों इस्राएल के घराने और यहूदा के घराने से किया हुआ वचन पूरा करूंगा और उस समय मैं एक धर्मी शाखा उत्पन्न करूंगा और यह ईएसवी है, यह है पूंजीकृत, दाऊद के लिए एक धर्मी शाखा उगेगी और वह देश में न्याय और धर्म को क्रियान्वित करेगा। खैर, यह स्पष्ट रूप से मसीहा का संदर्भ है और हम जकर्याह मार्ग को देखने के लिए समय नहीं लेंगे लेकिन वहां भी ऐसी ही स्थिति है।

स्पष्टतः, आप उस वादा किये हुए व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं जो आने वाला है। अब यहां समस्या पृष्ठभूमि में दूसरे बिंदु से संबंधित है। हिब्रू कविता की विशेषता समानता नामक एक उपकरण है जिसमें वाक्य का दूसरा मुख्य उपवाक्य किसी तरह से पहले का पर्याय है, और मैंने आपको एक काल्पनिक वाक्य दिया है, भगवान ने आकाश को फैलाया, पृथ्वी की स्थापना की गई भगवान से।

तो, भगवान और ईश्वर पर्यायवाची हैं, स्वर्ग और पृथ्वी पर्यायवाची हैं क्योंकि सृष्टि की अभिव्यक्तियाँ विस्तारित और स्थापित हैं, निर्माता के कार्यों के पर्यायवाची हैं। तो कविता में और यशायाह लगभग पूरी तरह से कविता है, आप उम्मीद करते हैं कि वाक्य का दूसरा भाग किसी तरह से पहले भाग को दोहराएगा। अब यहां वाक्य का दूसरा भाग देखें।

भूमि का फल भूमि के बचे हुए लोगों का गौरव और सम्मान होगा। अब यहाँ वाक्य का दूसरा भाग, भूमि का फल इस्राएल के बचे लोगों का गौरव और सम्मान होगा। शाखा के समानांतर क्या है ? भूमि का फल तो समान्तर है ना? अब कुछ लोग यह तर्क देंगे कि मसीहा भूमि का अंतिम फल है और मुझे लगता है कि यहीं पर एनआईवी अनुवादक पूंजीकरण शाखा के साथ आते हैं और अच्छी तरह से कहते हैं कि यह मसीहा का संदर्भ होना चाहिए।

शायद यह है, लेकिन स्पष्ट रूप से इस सवाल की गुंजाइश है कि यशायाह क्या वादा कर रहा है या भगवान इस श्लोक में यशायाह के माध्यम से क्या वादा कर रहा है? जमीन क्या होगी? फलदायी, और प्रचुर मात्रा में, उस प्रकार के फल होने के बजाय जो उस प्रकार के रेगिस्तान का फल है जिसका हम अध्याय 5 में सामना करने जा रहे हैं। वादा यह है कि भूमि फलदायी और प्रचुर मात्रा में होने वाली है। सवाल यह है कि क्या हम शाब्दिक फलदायी और प्रचुरता के बारे में बात कर रहे हैं या आध्यात्मिक फलदायकता और प्रचुरता के बारे में? और यह एक ऐसी स्थिति है जहां, जैसा कि आदमी कहता है, आप अपना पैसा चुकाते हैं और अपनी पसंद का विकल्प लेते हैं। मुझे लगता है कि इनमें से कोई भी संभव है और आप वहां मुद्दे के दोनों पक्षों पर प्रतिष्ठित टिप्पणीकार पा सकते हैं।

लेकिन किसी भी मामले में, भगवान वादा कर रहे हैं कि बंजर भूमि होने की बजाय, जैसा कि अभी है, भूमि प्रचुर मात्रा में होगी। ठीक है, पद 3. जो सिथ्योन में छूट गया और यरूशलेम में रह गया वह पवित्र कहलाएगा। हर कोई जो यरूशलेम में जीवन भर के लिए दर्ज किया गया है।

तो, अध्याय 3 के अंत में हमारी स्थिति क्या थी? मेल अराजकता कह रहा है. और क्या? उजाड़. हां, बात हो रही थी नेतृत्व की विफलता की.

विशेष रूप से अध्याय 3 के श्लोक 24 को देखें। इत्र के स्थान पर क्या? दुर्गंध, क्षय, भ्रष्टाचार. लेकिन अब क्या? सब पवित्र कहलायेंगे। पद 4 पर जाएँ। प्रभु ने कब क्या किया होगा? क्या बह गया? गंदगी किसकी? सिथ्योन की बेटियाँ.

तो, जो कुछ पहले हुआ है उससे स्पष्ट संबंध है। और खून के धब्बे. मुझे लगता है कि यह नेतृत्व की विफलता का संदर्भ है क्योंकि उन्होंने हिंसा की अनुमति दी है और कुछ मामलों में इसे देश में प्रायोजित भी किया है।

ठीक है। अब, हम अध्याय 2 श्लोक 1 से 5 में जो बात कर रहे थे उसकी तुलना में हम यहाँ किस बारे में बात कर रहे हैं? अध्याय 2, 1 से 5 तक क्या आशाजनक था? यहोवा के भवन का पर्वत सब पहाड़ोंपर दृढ़ किया जाएगा। क्यों? किस कारण के लिए? राष्ट्र क्या सीखने आयेंगे? हाँ, पाठ क्या कहता है? उसके तरीके, उसका टोरा, उसके निर्देश।

तो क्या हम यहां इजराइल की हालत के बारे में बात कर रहे हैं या फिर कुछ और बात कर रहे हैं? मिशन, हुह? अब हम यहाँ अध्याय 4, 2 से 6 में किस बारे में बात कर रहे हैं? हम मिशन के बारे में बात नहीं कर रहे हैं, है ना? हम किस बारे में बात कर रहे हैं? उनकी पुनर्स्थापना, उनकी स्थिति। अब जब हम परिच्छेद को आगे देखेंगे तो इसे ध्यान में रखें। सबसे पहले, एक मिशन का वादा, और दूसरा, उनकी स्थिति से निपटना।

निर्गमन 19 श्लोक 5 और 6 को देखें। आप में से जो निर्गमन सत्र में हैं, मुझे आशा है कि आपको याद होगा कि हमने कहा था कि अध्याय 19 वाचा की तैयारी है जब भगवान उन्हें संज्ञानात्मक और स्वैच्छिक और प्रभावी ढंग से तैयार करते हैं। श्लोक 5 और 6 में संज्ञानात्मक तैयारी में, यदि वे अनुबंध को स्वीकार करते हैं और उसका पालन करते हैं तो क्या होगा? वे एक पवित्र राष्ट्र होंगे। यशायाह अध्याय 4 क्या वादा करता है? अवशेष क्या होगा? पवित्र।

अब व्यवस्थाविवरण 28, 9, और 10 को देखें। प्रभु तुम्हें एक प्रजा के रूप में स्थापित करेगा क्या? यदि तुम अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञाओं को मानोगे और उसके मार्गों पर चलोगे, तो पृथ्वी के सब कुलों के लोग यह देखकर, कि तुम यहोवा के नाम से बुलाए गए हो, तुम से डरोगे, जैसा उस ने तुम से शपथ खाई है। . तो, निर्गमन 19, वाचा की शुरुआत, और व्यवस्थाविवरण 28, वाचा का अंत, लोगों की स्थिति जो अपेक्षित है वह पवित्र है।

हम इस बारे में पहले भी बात कर चुके हैं। हम इसके बारे में अगले सप्ताह फिर बात करेंगे। अपने मूल अर्थ में पवित्र का तात्पर्य अन्यता से है।

देवताओं की अन्यता और उनसे जुड़ी हर चीज़। लेकिन बुतपरस्त माहौल में, इसका कोई नैतिक अर्थ नहीं हो सकता क्योंकि अच्छे देवता पवित्र हैं और बुरे देवता पवित्र हैं। जिस प्रकार के देवता पवित्र होते हैं, क्रूर देवता भी पवित्र होते हैं।

शुद्ध देवता पवित्र हैं, अशुद्ध देवता पवित्र हैं। इसलिए, पवित्रता का कोई भी नैतिक अर्थ नहीं है। लेकिन अगर यह सच है कि केवल एक ही प्राणी है जो वास्तव में अन्य है और वह यहोवा है, तो उसका चरित्र यह परिभाषित करता है कि अन्य चरित्र वास्तव में कैसा दिखता है।

और यही अनुबंध का संपूर्ण बिंदु है। ऐसा सिर्फ इतना नहीं है कि हमें अलग कर दिया गया है। मेरे प्रिय मित्र हैं जो सुधारवादी विचारधारा के हैं और वे सोचते हैं कि हम दूसरे आशीर्वाद देने वाले पवित्र रोलर्स वास्तव में विचित्र हैं।

और इसलिए, उनके लिए पवित्र है बस अपने व्यवहार में हर किसी से अलग होना। एक पल के लिए भी नहीं। यदि कोई अनोखा है, तो वे हैं।

बाइबल बहुत, बहुत स्पष्ट रूप से हमें बताती है कि हमसे यहोवा के चरित्र को साझा करने की अपेक्षा की जाती है। इसका यही मतलब है जब वह बार-बार कहता है कि तुम्हें पवित्र होना चाहिए जैसे मैं पवित्र हूँ। यह सिर्फ धार्मिक नहीं है।

यह सिर्फ समर्पित नहीं है। यह रूपांतरित हो गया है। और भगवान यहाँ यशायाह के अध्याय 4 में वादा कर रहे हैं, आप रूपांतरित होने जा रहे हैं।

यह मसीहा का सर्वोत्तम कार्य है। न केवल हमें ईश्वर की ओर पुनर्स्थापित करने के लिए, बल्कि हमें ईश्वर के चरित्र में बदलने के लिए भी। यही उसका लक्ष्य है।

मैंने इसे पहले भी उद्धृत किया है। मैं इसे फिर से उद्धृत करूंगा। इफिसियों की पुस्तक, अध्याय 1, हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता को धन्यवाद, जिन्होंने हमें मसीह में उच्च स्थानों में हर आध्यात्मिक आशीर्वाद के साथ आशीर्वाद दिया है, यहां तक कि उन्होंने दुनिया की नींव से पहले हमें चुना है कि हमें चाहिए पवित्र रहो।

ओह, आपका मतलब अलग करना है? नहीं, दोषरहित। ऐसा लगता है जैसे पॉल कह रहा है कि मैं नहीं चाहता कि आप गलत समझें कि मैं यहां किस बारे में बात कर रहा हूँ। मैं किसी राज्य की बात नहीं कर रहा हूँ।

मैं किसी पद के बारे में बात नहीं कर रहा हूँ। मैं एक शर्त के बारे में बात कर रहा हूँ। इसलिए, वह कहता है, जब प्रभु सियोन की बेटियों की गंदगी को धो देंगे और यरूशलेम के खून के दाग को साफ कर देंगे, तो हर कोई पवित्र कहलाएगा।

अब पद 4 के अनुसार परमेश्वर ऐसा कैसे करेगा? पद 4. न्याय की आत्मा और आग की आत्मा। जलता हुआ। ओह, वह गुलाब की पंखुड़ी लेकर आएगा और हम पर पवित्र जल छिड़केगा।

नहीं, नहीं। अब याद रखें, हिब्रू शब्द जिसका अनुवाद आत्मा के रूप में किया जाता है, रुआच शब्द के लगभग चार अर्थ हैं।

हिब्रू, बाइबिल आधारित हिब्रू, एक बहुत छोटी शब्दावली है। इसलिए, जहां तक अंग्रेजी का सवाल है, अधिकांश शब्दों के कई अर्थ होते हैं। तो, शब्द रूच है।

और रूच शब्द, यह आपके लिए बहुत समझ में आता है, है ना? रुआच. और अंत में आपको अपना गला साफ करना होगा। इसका अर्थ है हवा, सांस, आत्मा और आत्मा।

और आपको संदर्भ के आधार पर यह तय करना होगा कि इस सेटिंग में हिब्रू शब्द का क्या अर्थ है। तो, आपको कुछ ऐसे अनुवाद मिलेंगे जो निर्णय की हवा और आग की हवा के साथ कहेंगे। तो बाकी सभी लोग निर्णय की सांस और आग की सांस के साथ कहने जा रहे हैं।

तो, आप यह जानने के लिए बस संदर्भ पर निर्भर हैं कि यहां किस बारे में बात की जा रही है। लेकिन तस्वीर एक आग के तूफान की है जो ज़मीन पर फैल रही है। मैंने यह पहले भी कहा है।

यहां काम पूरा करने से पहले मैं इसे कई बार दोबारा कहूंगा। इन लोगों के लिए एकमात्र आशा न्याय है। आशा यह नहीं है कि वे निर्णय से बच सकेंगे।

फैसले से कोई परहेज नहीं है। वह आ रहा है। आशा यह है कि न्याय के माध्यम से, उन्हें नष्ट नहीं किया जाएगा, बल्कि उन्हें शुद्ध कर दिया जाएगा।

खैर, मैं जो कहूंगा वह यह है कि यह मुख्य रूप से निर्वासन के बारे में बात कर रहा है। यह उस आग के बारे में बात कर रहा है जो आने वाली है और शहर की गंदगी को साफ कर देगी। हालाँकि, पेंटेकोस्ट में भगवान द्वारा अग्नि चिन्ह का उपयोग करके, मुझे लगता है कि वह इसी से जुड़ रहा है।

यह उन मुद्दों में से एक है जिनसे हम पुराने और नए नियम के बीच संबंधों के संदर्भ में जूझ रहे हैं। कुछ लोग कहेंगे, ठीक है, पुराने नियम का एकमात्र उद्देश्य नए की भविष्यवाणी करना है। दूसरे लोग कहेंगे, उनके बीच कोई रिश्ता नहीं है।

नए नियम के लोग पुराने नियम की सामग्री का अनुचित उपयोग करते हैं। जैसा कि मैंने पहले कहा है, अधिकांश सड़कों का मध्य भाग रेजर ब्लेड की धार जितना चौड़ा है, और दोनों ओर बड़ी-बड़ी खाइयाँ हैं। लेकिन मुझे लगता है कि यहीं सड़क का मध्य है, और वह यह है कि पुराने नियम का अपनी अखंडता के साथ अपना अर्थ है, लेकिन नया नियम उसका एक आंतरिक हिस्सा है, और भगवान अपने अंतिम उद्देश्यों के लिए पुराने नियम का उपयोग करता है।

ठीक है, श्लोक 5, प्रभु सिंघोन पर्वत के पूरे क्षेत्र और उसकी सभाओं पर दिन के समय एक बादल और रात के समय धुँ और धधकती हुई आग की चमक पैदा करेगा। यह किस बारे में है? यह निर्गमन के बारे में है, है ना? हाँ। अब, आपको क्या लगता है कि यशायाह, पवित्र आत्मा की प्रेरणा के तहत, निर्वासन से लौटने के बाद इस स्थिति के लिए निर्गमन भाषा का उपयोग करेगा? वह क्या कर रहा है? ठीक है ठीक है।

वास्तविक अर्थ में, पुराने नियम के भविष्यवक्ता निर्वासन, निर्वासन से वापसी को एक नए निर्गमन के रूप में देखते हैं। ऐसा एक अर्थ है जिसमें ईजेकील वास्तव में ऐसा करता है। एक ऐसी भावना है जिसमें वे विजय और वापसी के बीच इज़राइल के पूरे इतिहास को एक बड़े न्यायाधीश चक्र के रूप में देखते हैं।

न्यायाधीशों की किताब याद है? उन्हें आशीर्वाद मिलता है, और क्या होता है? वे भगवान को भूल जाते हैं। और वे परमेश्वर को भूलकर क्या करने लगे? मूर्तियों की पूजा करें। और परमेश्वर उसके प्रत्युत्तर में क्या करता है? वह दीवारों को गिरा देता है, हम अगले सप्ताह इस बारे में बात करने जा रहे हैं और दुश्मन को अंदर आकर उन पर अत्याचार करने देते हैं।

इसके जवाब में, हिब्रू लोग क्या करते हैं? चिल्लाना। और उनके रोने के प्रत्युत्तर में, परमेश्वर क्या करता है? वह एक उद्धारकर्ता को भेजता है, और उद्धारकर्ता भगवान के दिव्य आदेश, उसके मिशपात, उसके न्याय को पुनर्स्थापित करता है, लेकिन कानूनी न्याय के हमारे विचार से कहीं अधिक बड़ा है। वह परमेश्वर की व्यवस्था को पुनर्स्थापित करता है, और लोग धन्य होते हैं।

और वे क्या कहते हैं? भगवान को भूल जाओ। और वे क्या कहते हैं? मूर्तियों की पूजा करें। और क्या होता है? ईश्वर अत्याचारियों के लिए द्वार खोलता है।

क्या होता है? वो रोते हैं। क्या होता है? भगवान एक उद्धारकर्ता को भेजता है, और उद्धारकर्ता भगवान के मिशपत को बहाल करता है, और लोग धन्य होते हैं। और आगे क्या होगा? वे भगवान को भूल जाते हैं।

न्यायाधीशों की पुस्तक में हम सात बार इस वृत्त के चारों ओर घूमते हैं, लेकिन यह वास्तव में एक वृत्त नहीं है। यह एक हेलिक्स है। हेलिक्स एक नीचे की ओर जाने वाला वक्र है।

एक सर्पिल नीचे की ओर और कस रहा है। हेलिक्स एक वृत्त के समान व्यास है, लेकिन बस नीचे की ओर जाता है। और यही हमारे यहाँ है।

अब मैं यह कह रहा हूँ कि भविष्यवक्ता कई मायनों में इस्राएल के पूरे इतिहास को देखते हैं। न्यायाधीश, संयुक्त राजशाही, विभाजित राजशाही, निर्वासन, और एक बड़े न्यायाधीश चक्र के रूप में निर्वासन से वापसी। ताकि जब हम निर्वासन से लौटें, तो हमें वह पवित्र राष्ट्र, वह शाही पुरोहित बनने का मौका मिले।

इसलिए, यहां एक्सोडस भाषा का उपयोग बहुत जानबूझकर किया गया है। बाइबिल नई शुरुआत की किताब है। भगवान यह नहीं कहते, अच्छा, तुम्हें मौका मिला।

तुमने उसे उड़ा दिया। मुझे तुमसे कोई मतलब नहीं है। नयी शुरुआत।

नयी शुरुआत। और हम आगे बढ़ेंगे तब सारी महिमा के ऊपर एक छत्र होगा। आयत छह, दिन के समय गर्मी से बचने के लिए और तूफान और बारिश से बचने के लिए एक आश्रय है।

अब यहां पूरे मामले में आदेश पर ध्यान दें। हमें ईश्वर से यह आशा करने के लिए क्या करना होगा कि वह हमें आश्रय देगा? हमें शुद्ध होना होगा, है ना? हमें उस स्थान पर आना होगा जहां आग ने हम पर खेलकर गंदगी और भ्रष्टाचार को जला डाला है। और जब हम उस स्थिति में होते हैं, तो हम उम्मीद कर सकते हैं कि भगवान हमारा मार्गदर्शन करेंगे और हमारी रक्षा करेंगे और आश्रय बनेंगे।

दुनिया में ऐसे बहुत से लोग हैं जो उम्मीद करते हैं कि जब वे शैतान के लिए जी रहे हों तो ईश्वर उनका मार्गदर्शन करेगा, उनकी रक्षा करेगा और उन्हें आश्रय देगा और जब वह ऐसा नहीं करता तो वे ईश्वर से नाराज़ हो जाते हैं। इस बात पर शर्तें हैं। वहां नंबर पांच।

क्या किसी को यह बताने की परवाह है कि किस प्रकार परमेश्वर आपके जीवन में आश्रय, छाया, छिपने का स्थान, आश्रय रहा है? हाँ। हाँ। उन समस्याओं के बीच में जिनके बारे में आपने नहीं सोचा था कि आप कभी बच पाएंगे, वह आपको शांति देता है।

मैं जब भी अपनी किशोरावस्था को याद करता हूँ तो डर जाता हूँ। और मुझे लगता है कि स्वर्ग के पिछले कोने में कहीं कोई अभिभावक देवदूत होगा जो घबराहट से जूझ रहा है। मुझे एक रात याद है, करेन चाहती थी कि मैं अपने लड़कों को इस बारे में कभी न बताऊँ।

मुझे एक रात याद है जब मैंने 57 छेद वाले लोगों से भरी एक गाड़ी ली और उसमें फर्श डाल दिया। एक पहाड़ी की चोटी पर गया और हवा में उड़ गया। सीधे नीचे आये और थोड़ा धीमे चले गये।

ड्राइवर की मूर्खता से एक पल में पांच लड़के खाक हो सकते थे। और मुझे लगता है कि भगवान, भगवान उस पल में एक आश्रय थे। यह मुझे मेरे जीवन की एक घटना की याद दिलाता है जिसमें मैं काफी देर तक लुढ़क रहा था, कैलिफोर्निया में रेगिस्तानी इलाके में एक राजमार्ग है, और मेरे पास एक बहुत ही नया ब्यूक था।

मैं सेमी पास करने के लिए इधर-उधर गया और जैसे ही मैं उसके बायीं ओर आया तो मैंने देखा कि एक गाय या हिरण उसके सामने से छलांग लगा रहा था। और उसने मुझे नहीं देखा इसलिए वह मुड़ गया और मैं सड़क से बाहर चला गया, कई बार गिरा, मेरे साथ एक यात्री था, एक दोस्त था, और उसके बाद हम पर एक खरोंच तक नहीं आई। और वास्तव में, इसका हास्यास्पद हिस्सा यह है कि कार इतनी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी कि जब हमने राज्य के गश्ती दल से बात की तो उन्होंने कहा, यह निश्चित रूप से एक चमत्कार था क्योंकि उन्होंने कहा, यह सिर्फ भगवान की कृपा थी, उन्होंने बचा लिया। हम।

और राजमार्ग गश्ती दल ने कहा, ठीक है, वह निश्चित रूप से पिछली सीट पर नहीं बैठा था। हाँ, हाँ, हाँ, हाँ, हाँ। और मैं उन असंख्य समयों के बारे में बार-बार सोचता हूँ जब भगवान ने हमें आश्रय दिया है और हमें इसका पता ही नहीं चला।

हमें पता ही नहीं चला कि दो सेकंड का अंतर, जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर है। मैं स्वीकार करता हूँ कि जब कठिनाइयाँ आती हैं तो मेरे लिए यह कहना बहुत आसान होता है कि भगवान क्यों? और कभी-कभी मुझे लगता है कि मैंने भगवान को यह कहते हुए सुना है, क्यों नहीं? जितना आप जानते हैं उससे कहीं अधिक बार मैंने आपकी रक्षा की है। ठीक है, फिर आगे बढ़ते हैं।

दो से छह तक चार श्लोकों में आप किसी और चीज़ के बारे में बात करना चाहते हैं? हाँ? मैंने यहां बादल और धुएं के बारे में कुछ पढ़ा है जिससे मेरी रुचि बढ़ी है और हम निर्गमन पर वापस जाने के बारे में बात कर रहे हैं। और मुझे लगता है कि इसे शकीना कहा जाता है, भगवान की भौतिक या दृश्यमान, प्रत्यक्ष उपस्थिति। हाँ, और यह बना हुआ है, यह वास्तव में एक हिब्रू शब्द है। यह तीन व्यंजनों पर बना है, SH एक एकल व्यंजन है, K और N, जिसका अर्थ है आश्रय या तम्बू।

तम्बू मिशकान है . यह शब्द वास्तव में बाइबल में नहीं आता है। यह पुराने नियम के अरामी व्याख्या में घटित होता है और यह हर जगह घटित होता है, परमेश्वर की महिमा, परमेश्वर की निवासमय महिमा।

और शायद जॉन इसी बारे में सोच रहा है जब वह कहता है कि वह हमारे बीच में था। उसने हमारे बीच अपना तंबू गाड़ दिया। तो भगवान की उपस्थिति का विचार, भगवान की महिमा वह है जो जैसा कि मैं कहता हूँ, पुराने नियम के अरामी व्याख्या में दिखाई देता है और फिर नए नियम के लेखकों की विचार प्रक्रियाओं में बहुत स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

ठीक है, चलो अब आगे बढ़ते हैं। और एक बार फिर, बिना किसी परिवर्तन के, हम आशा से निर्णय की ओर बढ़ते हैं। यह यशायाह की बहुत, बहुत विशिष्ट बात है।

वह निर्णय के इन शब्दों के साथ इस परिचयात्मक खंड को बंद करने जा रहे हैं। वह कभी भी भविष्य की आशा के साथ रुकने वाला नहीं है ताकि हम कह सकें, ओह, सब कुछ ठीक हो जाएगा। वह हमें वर्तमान में वापस ले जाता है जहां सब कुछ ठीक नहीं है और अगर उस शानदार आशा को साकार करना है तो कुछ चीजें बदलनी होंगी।

इससे पहले कि हम इसे छोड़ें मैं एक और शब्द कहना चाहूंगा। मुझे लगता है कि यहां का ऑर्डर बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसा क्यों है कि भगवान ने हमें यह परिवर्तित स्थिति दी है? वह हमें यह परिवर्तित स्थिति क्यों देता है? वह हमारे यरूशलेम को रक्तपात और हिंसा के स्थान के स्थान पर शरण और आश्रय का स्थान क्यों बनाता है? यह इसी के लिए है, और मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है, कि वह पहले मिशन को व्यक्त करें।

उस मिशन को साकार करने के लिए, एक परिवर्तित स्थिति होनी चाहिए। लेकिन बदली हुई स्थिति सिर्फ इसलिए नहीं है कि आप और मैं बैठ सकें और कह सकें, ओह, क्या यह इतना अच्छा नहीं लगता? बदली हुई हालत इसलिए है ताकि दुनिया जान सके. इसलिए, जैसा कि मैं कहता हूं, मुझे लगता है कि यह आदेश जानबूझकर दिया गया है।

ठीक है। अध्याय 5. मुझे अपने प्रिय के लिये उसकी दाख की बारी के विषय में अपना प्रेम गीत गाने दो। मेरे प्रिय के पास एक बहुत ही उपजाऊ पहाड़ी पर एक अंगूर का बगीचा था।

आपको क्या लगता है कि यशायाह परमेश्वर को दो बार अपने प्रिय के रूप में क्यों संदर्भित करता है? वह इसे एक प्रेम गीत के रूप में क्यों संदर्भित करते हैं? आपको क्या लगता है वहां क्या चल रहा है? और फिर, यहां कोई सही उत्तर नहीं है। तो आप क्या सोचते हैं? हाँ, यशायाह के प्रेम गीत में ऐसा क्या हुआ होगा कि वह उसे ईश्वर के करीब ला सके? हां हां। जैसा कि मैंने आरंभ में कहा, यह बिल्कुल भी स्पष्ट नहीं है कि ये कालानुक्रमिक क्रम में हैं, कि इनका उपदेश इस क्रम में किया गया था।

मुझे लगता है, इसकी बहुत संभावना है कि उन्हें यशायाह के मंत्रालय के विभिन्न बिंदुओं से लिया गया है और परिचय के इस उद्देश्य के लिए एक साथ लाया गया है। तो, हाँ, इससे पता चलता है कि यशायाह को परमेश्वर के साथ कुछ घनिष्ठ अनुभव हुआ है जिसने उसे परमेश्वर के हृदय में खींच लिया है। यह उन चीजों में से एक है जिस पर विद्वानों ने टिप्पणी की है, कि हिब्रू भविष्यवक्ता ईश्वर की करुणा से प्रभावित प्रतीत होते हैं।

भगवान अपने लोगों के लिए भावुक हैं। भगवान अपने लोगों के लिए भावुक हैं। वह उनसे ईर्ष्या करता है।

वह उनका सर्वोत्तम चाहता है। वह उन्हें अपना आशीर्वाद देना चाहता है। और फिर भी, ऐसा लगता है मानो वे हर कीमत पर अपना रास्ता अपनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

और ऐसा लगता है कि पैगम्बर, आपको प्राचीन दुनिया के अन्य हिस्सों में पैगम्बर मिले हैं, लेकिन आपके पास कोई जगह नहीं है जहां पैगम्बर ईश्वर के हृदय में प्रवेश कर रहे हों। तो, इस स्थिति में, ऐसा लगता है मानो यशायाह परमेश्वर के हृदय को महसूस कर रहा है जैसे परमेश्वर उसके अंगूर के बगीचे को देखता है। जैसा कि मैं पृष्ठभूमि में कहता हूं, यहूदा केवल अंगूर उगाने के लिए ही अच्छा था, इसके अलावा लगभग कुछ भी नहीं।

यह चट्टान का ढेर है। इज़राइल, सुलैमान के पुराने राज्य के उत्तरी आधे हिस्से में, कुछ भूमि थी जो गेहूं और जौ उगाने, चारागाह के लिए काफी अच्छी थी। यहूदा नहीं।

यह अंगूर के बाग हैं। और मिट्टी अंगूर के बागानों के लिए काफी अच्छी है। तो, ऐसा नहीं है कि वे केवल इतना ही विकसित हो सकते हैं।

वास्तव में, यह भूमि वास्तव में इसी के लिए अच्छी है। इसलिए, बयानबाजी के संदर्भ में, अनुनय के संदर्भ में, यशायाह जानता है कि वह किससे बात कर रहा है। उन यहूदी किसानों के कान खड़े हो गए, जब उस ने कहा, मेरे प्रिय के पास दाख की बारी है।

ओह, दाख की बारी। ओह, हाँ, हाँ। जैसा कि मैं पृष्ठभूमि में कहता हूं, आपको अपनी पहली फसल प्राप्त करने में तीन साल लग गए थे।

आपका पहला वर्ष मूलतः भूमि साफ़ करने में व्यतीत हुआ। यह कहानी मैं पहले भी बता चुका हूं। जब मेरे पिताजी 82 वर्ष के थे तो वे मेरे साथ इज़राइल गये।

वह ओहियो के किसान थे। एक दिन हम सड़क पर बस से जा रहे थे और वह खिड़की के पास बैठा बस अपना सिर हिला रहा था। मैंने कहा, पापा, क्या बात है? उन्होंने कहा, कोई इस तरह चट्टान के ढेर के लिए क्यों लड़ेगा? और यह वही है।

यह चट्टान का ढेर है। तो, आप वह पहला वर्ष चट्टानों के क्षेत्र को साफ करने और दीवारों के निर्माण के लिए चट्टानों का उपयोग करने में बिताते हैं। अगले वर्ष, आपको सर्वोत्तम लताएँ मिलेंगी।

आप उन्हें रोपें। आप उन्हें अंदर रखें। शेष समय में, आप और अधिक चट्टानें साफ करें, और निगरानी टावर बनाएं क्योंकि यदि आप उन्हें जाने देंगे तो लोग आपके अंगूर चुरा लेंगे।

आप एक वाइन प्रेस खोदते हैं, चट्टान में एक गड्ढा खोदते हैं, और आपके पास एक बड़ा लंबा डंडा होता है और आप उस चीज़ को पत्थरों से तोलते हैं ताकि वह वाइन प्रेस में टोकरियों में अंगूरों को कुचल सके। अंततः, तीसरे वर्ष में, आप बाहर जाकर अंगूर लाने के लिए तैयार हैं। बहुत खूब।

उन्हें देखें। बड़े, बड़े समूह वहां लटके हुए हैं। प्रत्येक अंगूर बस फूट रहा है।

मैं इससे बहुत सारा पैसा कमाने जा रहा हूँ। आप एक अंगूर लें और उसे अपने मुंह में रखें। यह कड़वा है।

ओह, शायद वह एक दुर्घटना थी। वे सभी कड़वे हैं। आखिर मेरे प्रियतम का ही काम है।

श्लोक तीन, अब, हे यरूशलेम के निवासियों और पृथ्वी के मनुष्यों, यहूदा, बीच में न्याय करो, अब ध्यान दो कि यह मैं और मेरा अंगूर का बगीचा है। हाँ, यह भविष्यवक्ताओं की बहुत खासियत है। आप ईश्वर के बारे में उसके रूप में बात करना शुरू करते हैं, लेकिन बहुत जल्द ही, उसके साथ आपकी पहचान इतनी पूर्ण हो जाती है, वह मैं हूँ। मैं अब प्रिय के बारे में बात नहीं कर रहा हूँ।

पैगम्बर प्रियतम है। मेरे और मेरे अंगूर के बाग के बीच न्याय करो। मेरे अंगूर के बगीचे के लिए और क्या करने को बचा था जो मैंने उसमें नहीं किया? जब मैं उस से अंगूर उपजने की आशा करता हूँ, तो उस से जंगली अंगूर क्यों उत्पन्न हुए? और मैं उन यहूदी किसानों को देख सकता हूँ।

यदि उस चर्च में प्याऊ होते, तो वे प्याऊ पर खड़े होकर कह रहे होते, इसे फाड़ दो, इसे जला दो, जंगली जानवरों को बुलाओ। अब, मैं तुम्हें बताऊंगा कि मैं अपने अंगूर के बगीचे के साथ क्या करूंगा। मैं इसकी हेज हटा दूँगा।

मुझे आश्चर्य है कि इस देश में हम अपनी बाड़ हटाने के कितने करीब हैं और इसे निगल लिया जाएगा। मैं इसकी दीवार तोड़ दूँगा और इसे रौंद दिया जायेगा। गायों को बुलाओ, भेड़ों को बुलाओ।

सबसे बुरा, बकरियों को बुलाना। जब बकरियां खेत का काम पूरा कर लेती हैं, तो इसके लिए और कुछ नहीं करना पड़ता क्योंकि वे सामान को जड़ों से खींच लेती हैं। मैं इसे बर्बाद कर दूँगा।

इसकी कटाई-छंटाई या कुदाली नहीं की जाएगी। उस पर झाड़ियाँ और काँटे उग आएँगे। यहाँ यशायाह की पुस्तक का एक और विषय है।

झाड़ियाँ और काँटे। हम इसका लगभग छह बार और सामना करने जा रहे हैं। मैं बादलों को आज्ञा दूँगा कि वे उस पर जल न बरसाएं।

और यह अगला पद, अब पद सात, कुछ हद तक नाथन और डेविड जैसा है। डेविड, क्या आप जानते हैं क्या? आपके राज्य में एक आदमी है। ओह, वहाँ है? ओह, दूसरे लोगों के पापों पर उत्तेजित होना कितना अच्छा लगता है।

उसने अपने पड़ोसी का एक मेमना लिया और उसे एक मेहमान के लिए पकाया। डेविड कहते हैं, वह आदमी मरने के लायक है। लंबी, हड्डीदार, भविष्यसूचक उंगली सीधे डेविड के चेहरे की ओर इशारा करती है और कहती है, आप वह आदमी हैं।

पद सात में दाऊद कहता है, सेनाओं के यहोवा की दाख की बारी इस्राएल का घराना है। क्या आप चाहते हैं कि वह अंगूर के बगीचे को उजाड़ दे? क्या आप चाहते हैं कि वह दीवार गिरा दे? तुम दाख की बारी हो. मैं पृष्ठभूमि में कहता हूँ, श्लोक सात के अंत में एक हिब्रू शब्द का खेल चल रहा है।

मिशपाच की तलाश की , लेकिन देखो, मिशपाच । रक्तपात मिशपात जैसा लगता है । वहाँ एक शब्द का खेल है.

उसने न्याय की तलाश की, और उसे रक्तपात मिला। धार्मिकता के लिए, tzedakah. और देखो, ज़कात , एक चीख।

तो फिर, यह कविता है, और यह सुंदर, शक्तिशाली कविता है, अंग्रेजी की तुलना में हिब्रू में और भी अधिक। ठीक है, अब, कड़वे अंगूर क्या हैं? इन्हें यहां शोक कविताओं की एक शृंखला में वर्णित किया गया है। मैं फिर से कहता हूँ, पृष्ठभूमि में, आपको लगातार याद रखना होगा, आज अंग्रेजी में, हाय एक प्रकार का निर्णय शब्द है।

आप को अभिशाप। आप इसे प्राप्त करने जा रहे हैं, और मुझे खुशी है। लेकिन वास्तव में, यह अफ़सोस और दुःख का शब्द है।

ऐसा कोई समकालीन अंग्रेजी शब्द नहीं है जो इसे प्राप्त करता हो। आपको पुरातन अफ़सोस का उपयोग करना होगा। यदि यशायाह तुम पर शोक प्रकट करता है, तो वह ऐसा आनन्द से नहीं करता।

वह इसे आंसू के साथ करता है। अरे नहीं। अरे नहीं।

हमने न्यू लिविंग ट्रांसलेशन में इसके साथ संघर्ष किया। ओह, कितना दुखद है. ओह, उन लोगों के लिए क्या दुःख है, जो इतना आगे हैं।

पहला छंद आठ, नौ और दस में है। यहाँ कड़वा अंगूर क्या है? दुःख और लालच, हाँ। अब, मुझे नहीं पता कि ये घटते क्रम में हैं या नहीं।

कुछ ऐसे जोड़े हैं जो शायद बिल्कुल फिट नहीं हैं, लेकिन यहां ऑर्डर के बारे में सोचना बहुत दिलचस्प है। ध्यान दें लालच किसका परिणाम है? दस आज्ञाओं के बारे में सोचो. आखिरी वाला, मैंने सुना है, लोभ, लोभ।

अगर मेरे पास वही होता जो किसी और के पास है, तो मुझे खुशी होगी। पॉल इसे मूर्तिपूजा, इस संसार की पूजा कहते हैं। क्या यह सच है कि किसी राष्ट्र का विनाश लालच से शुरू होता है? विचार करना दिलचस्प है.

श्लोक 11 और 12, यहाँ कड़वा अंगूर क्या है? आत्मभोग. और पूरी कविता में, वह कुछ बिंदुओं पर बात करते हैं कि परिणाम क्या होने वाले हैं। और मैं फिलहाल उनसे आगे निकल जाना चाहता हूँ और आगे बढ़ना चाहता हूँ।

तो, दूसरा दुःख श्लोक 11 और 12 में आत्म-भोग है। तीसरा दुःख श्लोक 18 और 19 में है। यह क्या है? पाप के जाल में फंस गए, मेल कहते हैं, हाँ? जो अधर्म को झूठ की रस्सियों से खींच लेते हैं, और पाप को गाड़ी की रस्सियों के समान खींच लेते हैं, वे कहते हैं, वह फुर्ती करे।

आइए हम उसके काम की पिटाई करें ताकि हम उसे देख सकें। इस्राएल के पवित्र की युक्ति जिसके विषय में तुम बातें करते रहते हो, निकट आओ। ऐसा होने दो कि हम इसे जान सकें।

वह कौन सा रवैया है? उपहास, तिरस्कार. हाँ, हाँ, मुझे ऐसा लगता है। ये वे लोग हैं जो अत्यधिक पाप करते हैं और ईश्वर को इसके बारे में कुछ भी करने की चुनौती देते हैं।

हाँ, महान नास्तिक, है ना? महान नास्तिक, रॉबर्ट इंगरसोल, मंचों पर खड़े होकर कहते थे, आप कहते हैं कि भगवान है, मैं आपको बताता हूँ कि कोई नहीं है। यदि कोई ईश्वर है, तो निश्चित रूप से उसके पास सम्मान का एक अंश है। और फिर वह भगवान को हर उस घृणित शाप के साथ शाप देने के लिए आगे बढ़ेगा जिसके बारे में वह सोच सकता था।

और अंत में, उन्होंने कहा, अब यदि तुम्हें कोई सम्मान मिला है, तो तुम मुझे मार डालोगे। कुछ नहीं हुआ। देखना? देखना? और उसकी बहन मर गयी।

उसने खुद को ताबूत के ऊपर कब्र में फेंक दिया और चिल्लाया, ओह अंधेरा, अंधेरा। चौथा शोक, श्लोक, श्लोक 20। और मुझे लगता है कि 20 और 21 एक साथ चलते हैं।

यह दो दुःख हैं, लेकिन मुझे लगता है कि यह एक साथ चलते हैं। यह क्या है? जानबूझकर अस्वीकृति और वास्तव में, नैतिक व्यवस्था को उलट देना। जो अच्छे को बुरा और बुरे को अच्छा कहते हैं।

अंधकार ही प्रकाश है और प्रकाश ही अंधकार है। कड़वा मीठा है और मीठा कड़वा है। और फिर, मुझे नहीं लगता कि इसे खोजने के लिए आपको अपनी ट्यूब पर बहुत दूर तक देखना होगा।

वे नैतिक व्यवस्था को उलट रहे हैं। अब, जैसा कि मैं कहता हूँ, मुझे लगता है कि यहां प्रगति हो रही है। जब मैं इस बात के लिए जीता हूँ कि मुझे क्या मिल सकता है, जब मैं इस बात के लिए जीता हूँ कि मैं कितना अच्छा महसूस करता हूँ, तो अंततः मुझे नैतिक व्यवस्था का सामना करना पड़ेगा, और जो मैं कर रहा हूँ उसे सही ठहराने के लिए, मुझे अंततः मुड़ना होगा यह उसके सिर पर है।

एक अर्थ यह है कि अंतिम, 22 और 23, विशेष रूप से नैतिक व्यवस्था पर लक्षित है। नेताओं पर निशाना. वे शराब पीने में हीरो हैं।

तीव्र पेय मिलाने में वीर पुरुष। लड़के, तुमने तब तक मार्टिनी का स्वाद नहीं चखा होगा जब तक मैंने उसे एक साथ नहीं रख दिया। मैंने इसका ध्यानपूर्वक अध्ययन किया है।

किसे पड़ी है? और दोषी को रिश्वत लेकर निर्दोष ठहरा दो, और निर्दोष को उसका हक छीन लो। मुझे लगता है कि एक ऐसी भावना है जिसमें हमारे पास यहां जो कुछ है वह इन ग्राफिक चित्रणों में से एक है जहां वह कहता है, यह सब कहां ले जाता है? यह बिल्कुल वहीं ले जाता है जहां हम हैं। उन नेताओं के लिए जो शराबी हैं और जिनकी सबसे बड़ी उपलब्धि शराबी बनना है और परिणामस्वरूप हर तरफ से न्याय को विकृत कर रहे हैं।

खैर, इसलिए, श्लोक 13, 14, 24, और 25। अब याद रखें, हमने विरोधाभास के संबंध के बारे में बात की है। निर्णय और आशा और आदान-प्रदान के बीच विरोधाभास जहां विरोधाभास बनता रहता है।

विरोधाभास, आदान-प्रदान, यहां एक और संबंध, कारण और प्रभाव है। और यह पुरानी उपदेशात्मक पंक्ति से संबंधित है, जब आप देखते हैं तो पूछते हैं कि यह किस लिए है। क्योंकि यह आपको बता रहा है कि कुछ हुआ है और यह परिणाम है।

अब नतीजे देखिए. श्लोक 13, मेरी प्रजा ज्ञान के अभाव के कारण निर्वासन में जाती है। हम यहां बौद्धिक ज्ञान के बारे में बात नहीं कर रहे हैं।

हम ईश्वर और उसके तरीकों के बारे में व्यक्तिगत ज्ञान के बारे में बात कर रहे हैं। समझ की कमी, हाँ, हाँ। श्लोक 14, अतः अधोलोक ने अपना मुंह खोल दिया है, और यरूशलेम के कुलीन लोग और उसकी भीड़, और उसके आनन्द मनानेवाले, और उसके माननेवाले सब नष्ट हो गए हैं।

और यहाँ ऐसी भाषा आती है जो हमें अध्याय दो और तीन की याद दिलाती है। मनुष्य दीन होता है. स्वयं को ऊँचा उठाने का प्रयास करें और परिणाम यह होता है कि हम अर्थहीन हो जाते हैं।

हर एक को नीचा किया जाता है, अभिमानियों की आंखें नीची की जाती हैं, परन्तु सेनाओं का यहोवा न्याय में महान् होता है। पवित्र परमेश्वर, यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण श्लोक है, स्वयं को पवित्र दिखाता है। कैसे? धार्मिकता में.

हाँ। वह पवित्र है और इसलिए उसका चरित्र पवित्र चरित्र को परिभाषित करता है। पवित्र चरित्र क्या है? धार्मिकता, सही काम करना, चाहे कारण कुछ भी हो।

तब मेरे अपनी चर्राई की नाई चरेंगे। खानाबदोश अमीरों के खंडहरों में खाना खाएँगे। हाँ।

राष्ट्र होने जा रहा है, भूमि उजाड़ होने जा रही है। ये सभी बड़े-बड़े घर जो तुमने गरीबों की पीठ पर बनाए हैं, खंडहर हो जाएंगे और खंडहरों में भेड़ें चरने वाली हैं। पद 24 इसलिये जैसे अग्नि की लौ खूंटी को भस्म कर देती है, और जैसे सूखी घास आग में धंस जाती है, वैसे ही उनकी जड़ सड़ जाएगी, और उनके फूल धूल के समान उड़ जाएंगे।

वह खेत के फूल के बारे में बात करने जा रहा है। हमारे आगे पच्चीस अध्याय। क्यों? उन्होंने स्वर्ग की सेनाओं के प्रभु के निर्देश, तोरा को अस्वीकार कर दिया है।

उन्होंने इस्राएल के पवित्र के वचन को तुच्छ जाना, निकम्मा समझा है। इसलिये यहोवा का क्रोध उसकी प्रजा पर भड़क उठा। निन्दा।

हाँ। हाँ। यह ऐसा शब्द नहीं है जिसे आप टेलीविजन पर देखेंगे, बल्कि निंदात्मक है।

हाँ। हाँ। तो, श्लोक 26 से 30 में क्या होने वाला है? ये पद यहोवा के इतिहास के प्रभुत्व के बारे में क्या कह रहे हैं? श्लोक 26.

अब याद करें, ऐतिहासिक परिस्थितियों को याद करें। यह 745 ईसा पूर्व के बाद की बात है जब अशूरियों ने फिर से गति पकड़ी और मिस्र की ओर बढ़ रहे थे। आपको यह शक्तिशाली सम्राट, टिग्लथ-पिलेसर III मिला है।

लगभग 50 या 60 वर्षों तक, असीरिया उल्लेखनीय रूप से शांत रहा था। मैं योना की वजह से सोचता हूँ। इसे साबित नहीं कर सकता, लेकिन यह फिट बैठता है।

लेकिन इस आदमी ने, योना के बारे में कभी नहीं सुना। और असीरिया, किसी राक्षस मशीन की तरह, आप जानते हैं, ये बड़े टायर वाले ट्रक हैं। वहाँ वे आते हैं।

लेकिन यशायाह क्या कहता है? पद 27. वह कहता है, मैं नहीं डरता। परन्तु मैं तो भयभीत नहीं हूँ।

पृष्ठभूमि में एक बड़ा पेड़ है। मुझे बस डर लग रहा है। खैर, अगर ऐसा है तो इससे बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता हवाई मार्ग ही है।

और यह असीरिया को बुलावा नहीं है? इसे चुटज़पाह कहा जाता है। इसे आस्था भी कहते हैं। वह उनके लिए सीटी बजाएगा।

चलो भी। यह श्लोक पाँच और छह की कल्पना की पूर्ति है। उसने दीवार गिरा दी है।

वह जंगली जानवरों को बुला रहा है कि आओ और अंगूर के बगीचे को रौंद डालो। और फिर, यहां की भाषा इतनी सशक्त है, तात्कालिकता का भाव। कोई थका नहीं, कोई लड़खड़ाता नहीं, कोई ऊंघता या सोता नहीं।

न कमरबंद ढीला है, न चप्पल का पट्टा टूटा है। उनके तीर तेज़ हैं, उनके सभी धनुष झुके हुए हैं। घोड़े के टाप चकमक पत्थर के समान प्रतीत होते हैं।

उनके पहिये बवण्डर के समान हैं। उनकी दहाड़ सिंह के समान, जवान सिंह के समान है। वे दहाड़ते हैं, गुरति हैं और अपने शिकार को पकड़ लेते हैं।

वे इसे उठा ले जाते हैं और कोई भी बचा नहीं सकता। उस दिन वे उस पर समुद्र की नाईं गरजेंगे। और यदि कोई भूमि की ओर दृष्टि करे, तो क्या देखता है, कि अन्धकार और संकट है।

और उसके बादलों के कारण प्रकाश अन्धेरा हो गया है। ठीक है। इससे पहले कि मैं तुम्हें जाने दूं, पीछे श्लोक 20 को देख लें।

क्या आप अंधकार चाहते हैं? मैं तुम्हें जहाँ भी देखोगे अँधेरा दूँगा। ईश्वर, जैसा कि भजनहार कहता है, प्रकाश है। और उसमें अंधकार बिल्कुल नहीं है।

उसके लिए अँधेरा भी उजाले जैसा है। लेकिन खुद को उससे अलग कर लें। कोई रोशनी नहीं है।

हम अध्याय 8 के अंत में फिर से इस पर आएंगे। आपको उसी तरह की चीज़ मिलेगी। आप अपने स्वयं के प्रकाश का स्रोत बनने पर जोर देते हैं। और तुम्हारे पास अंधकार के सिवाय कुछ भी नहीं है।

आपके जाने देने से पहले प्रश्न, टिप्पणियाँ? एक अध्याय में, यह कहा गया है, कृपया, वह कहाँ से आता है? क्या आप इसे ढूँढ सकते हैं? अध्याय 3, और अब हमें मेरे और मेरे पड़ोसी के बीच खुश रहना होगा। ओह, अध्याय 5. अध्याय 5, श्लोक 3. कृपया, न्याय करें। क्या यही वह चीज़ है? हाँ, हाँ।

यह बिल्कुल वैसा ही विचार है जैसा मैंने कहानी को बताया है। अब, मेरे दोस्तों, कृपया मुझे बताएं कि मुझे क्या करना चाहिए। वे कहते हैं, ठीक है, डमी, यह स्पष्ट है कि तुम्हें क्या करना चाहिए।

हाँ यह सही है। बिल्कुल सही। यह उस बयानबाजी का एक हिस्सा है जिसका इस्तेमाल वह अपना पक्ष रखने के लिए कर रहा है।

हाँ? समानता के कारण यह मेरी स्थिति होगी, जो भूमि के फल के बारे में बात करती है। जो लोग कहेंगे, नहीं, यह मसीहा है, वे कहेंगे कि भूमि का फल रूपक के लिए अभिप्रेत है, और मसीहा यहूदा का फल है। यह निश्चित रूप से एक संभावना है।

और कुछ? किसी भी तरह से, इसका मतलब जीवन है, वे जीवन को देख रहे हैं या नहीं। हाँ, किसी भी तरह से, शाखा फलदायीता के बारे में बात कर रही है। यह यशायाह की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. जॉन ओसवाल्ट हैं।

यह सत्र संख्या तीन, यशायाह अध्याय 4 और 5 है। मैं जॉन ओसवाल्ट हूँ। हम अगली बार आपसे मिलेंगे। अलविदा।